परमेश्वर अपने लोगों को कैसे इनाम देंगे — और वह किन
मापदंडों का उपयोग करेंगे (भाग 1)

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

प्रभु यीशु की महिमा हो!

इस लेख में हम जानेंगे कि परमेश्वर आखिर किन आधारों पर अपने लोगों को इनाम देंगे, जब हम स्वर्ग में उसके सामने खड़े होंगे। जब हम यह समझते हैं, तो यह हमें और अधिक प्रेरित करता है कि हम पूरे दिल से उसकी सेवा करें—ठीक जैसे प्रेरित पौलुस ने किया था। उन्होंने लिखा:

“मैं निशाने की ओर दौड़ा चला जाता हूँ कि मैं उस इनाम को प्राप्त करूँ, जिसके लिए परमेश्वर ने मुझे मसीह यीशु में
ऊपर बुलाया है।”
— फिलिप्पियों 3:14

अब आइए, बाइबल से कुछ ऐसे सिद्धांतों को देखें जो हमें दिखाते हैं कि परमेश्वर किस तरह अपने लोगों को पुरस्कार देंगे।

1. कुछ लोग थोड़ा काम करेंगे, फिर भी उन्हें उतना ही इनाम मिलेगा जितना उन लोगों को मिला जो ज़्यादा मेहनत करते रहे

शायद यह सुनने में अजीब लगे—या अनुचित भी—लेकिन यह बात खुद प्रभु यीशु ने एक दृष्टांत के द्वारा समझाई है। यह हमें मत्ती 20:1–16 में मिलता है। आइए इसे पढ़ें:

परमेश्वर अपने लोगों को कैसे इनाम देंगे — और वह किन
मापदंडों का उपयोग करेंगे (भाग 1)

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

मत्ती 20:1–16 (Hindi O.V.)
1 क्योंकि स्वर्ग का राज्य उस गृहस्थ के समान है, जो भोर
होते ही अपने दाख की बारी में काम करने के लिये मजदूरों को बुलाने निकला।
2 और जब उसने मजदूरों से दिन भर की मजूरी एक दीनार ठहराई, तो उन्हें अपनी दाख की बारी में भेज दिया।
3 और तीसरे घंटे के लगभग वह बाहर जाकर औरों को बाजार में बेकार खड़े देखकर,
4 उनसे कहा, तुम भी दाख की बारी में जाओ, जो कुछ उचित होगा, वह मैं तुम्हें दूँगा।
5 वे भी जाकर दाख की बारी में काम करने लगे; वह फिर छठे और नौवें घंटे के लगभग गया, और वैसा ही किया।
6 ग्यारहवें घंटे के लगभग वह फिर गया, और औरों को खड़ा देखकर, उनसे कहा, तुम यहां क्यों खड़े हो, दिन भर बेकार?
7 उन्होंने उससे कहा, क्योंकि किसी ने हमें मजदूरी पर नहीं रखा। उसने उनसे कहा, तुम भी दाख की बारी में जाओ।
8 जब सांझ हुई, तो दाख की बारी के स्वामी ने अपने भण्डारी से कहा, मजदूरों को बुला, और पिछलों से आरंभ करके अगलों तक उन्हें मजदूरी दे।
9 जब वे आए जो ग्यारहवें घंटे के समय लगे थे, तो उन्हें एक-एक दीनार मिला।
10 जब पहले वाले आए, तो उन्होंने समझा कि हमें अधिक मिलेगा; पर उन्हें भी एक-एक दीनार मिला।
11 और जब उन्होंने पाया, तो गृहस्थ से कुड़कुड़ाने लगे,
12 कि इन पिछलों ने एक ही घंटा काम किया, और तू ने उन्हें

परमेश्वर अपने लोगों को कैसे इनाम देंगे — और वह किन
मापदंडों का उपयोग करेंगे (भाग 1)

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

हमारे बराबर कर दिया, जिन्होंने दिन भर का बोझ और धूप सही।
13 उसने उनमें से एक को उत्तर दिया, मित्र, मैं तुझ से अन्याय नहीं करता; क्या तू मुझ से एक दीनार पर नहीं ठहरा था? 14 जो तेरा है, ले ले और चला जा; मैं इस पिछले को भी उतना ही
देना चाहता हूँ जितना तुझे।
15 क्या मुझे अपने माल का जैसा चाहूँ वैसा उपयोग करने का
अधिकार नहीं? क्या तू मेरी भलाई देखकर डाह करता है?
16 इसी प्रकार पिछले पहले होंगे और पहले पिछले होंगे;
क्योंकि बहुत से बुलाए हुए हैं, पर थोड़े ही चुने हुए हैं।

इसका मतलब क्या है?

जो मजदूर सबसे अंत में बुलाए गए थे, वे आलसी नहीं थे — बल्कि कोई उन्हें काम पर रखने ही नहीं आया था। उन्होंने खुद कहा:

“क्योंकि किसी ने हमें मजदूरी पर नहीं रखा।”

यह उन लोगों का प्रतीक है जो अभी तक सुसमाचार को नहीं सुन पाए हैं। शायद वे किसी दूर गाँव में रहते हैं, या किसी और धर्म का पालन करते हैं। उदाहरण के लिए कोई 80 साल का व्यक्ति, जिसने आज तक कभी यीशु का नाम नहीं सुना — लेकिन किसी दिन सुसमाचार उसके

परमेश्वर अपने लोगों को कैसे इनाम देंगे — और वह किन
मापदंडों का उपयोग करेंगे (भाग 1)

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

पास आता है, और वह सच्चे दिल से यीशु को अपना उद्धारकर्ता मान लेता है। हो सकता है वह सिर्फ एक साल परमेश्वर की सेवा करे और फिर स्वर्ग चला जाए।

अब एक और उदाहरण लीजिए — कोई जवान व्यक्ति, जो 20 साल की उम्र में मसीह को स्वीकार करता है, और दो साल तक पूरी निष्ठा से उसकी सेवा करता है, फिर 22 साल की उम्र में चल बसता है।

अब सवाल है: क्या परमेश्वर ऐसे लोगों को छोटा इनाम देगा?

बिलकुल नहीं! क्योंकि जब उन्हें अवसर मिला, उन्होंने पूरा समर्पण दिखाया। और अगर उन्हें पहले अवसर मिला होता, तो वे और भी लंबे समय तक वफादारी से सेवा करते। परमेश्वर हमारा दिल और हमारी नीयत देखता है, केवल समय नहीं।

तो क्या हर कोई वही इनाम पाएगा? नहीं।

अगर आपने बचपन से सुसमाचार सुना है, अगर आप एक मसीही परिवार में पले-बढ़े हैं और परमेश्वर के वचन को जानते हैं, फिर भी आप उसकी बातों को अनदेखा करते हैं — आज मसीह में और कल संसार में — तो आप धोखे में मत रहें।

परमेश्वर अपने लोगों को कैसे इनाम देंगे — और वह किन
मापदंडों का उपयोग करेंगे (भाग 1)

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

आप उस व्यक्ति के समान नहीं ठहर सकते, जिसे अभी-अभी उद्धार मिला और उसने अपनी बची हुई जिंदगी पूरी निष्ठा से प्रभु को सौंप दी।

यीशु ने कहा:

“पिछले पहले होंगे और पहले पिछले होंगे।”
— मत्ती 20:16

इसलिए जो अनुग्रह तुम्हें मिला है, उसकी कद्र करो

हम समय के अंतिम दिनों में जी रहे हैं। यह समय खेल-तमाशे का नहीं है।
अगर आज परमेश्वर की आवाज़ सुनते हो, तो अपने दिल को कठोर मत करो। जितना समय तुम्हारे पास है, उसका उपयोग उसकी सेवा में करो।

क्योंकि परमेश्वर न्यायी है, और वह हर किसी को उसकी निष्ठा के अनुसार इनाम देगा — चाहे उसने एक दिन सेवा की हो या सारी उम्र।

प्रभु तुम्हें आशीष दे।

परमेश्वर अपने लोगों को कैसे इनाम देंगे — और वह किन मापदंडों का उपयोग करेंगे (भाग 1)

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp